फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 282 प्रभात जयपुर, मंगलवार 14 मई, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

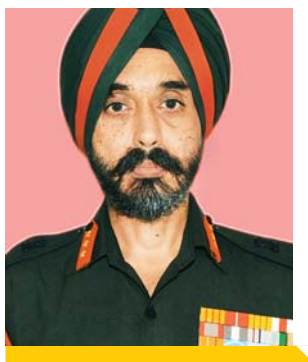

Potboiler in the Cold

It was Sagat's autonomous thinking, planning and positioning of artillery, a day before the skirmish, that helped prevail over the Chinese.

Simple Expert-approved Habits for Diabetics

Incorporate a variety of nutrient-rich foods into your meals, including lean proteins, whole grains, healthy fats, and plenty of vegetables

क्या केजरीवाल के उकसाने पर उनके पी.ए. ने पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल को झापड़ मारा, मु.मंत्री निवास पर?

दिल्ली की महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने थाने में फोन करके शिकायत की

- एक तरफ तो, इण्डिया गठबंधन यू.पी. के चुनाव में केजरीवाल का उपयोग करने की सोच रहा है, राहुल गांधी व अखिलेश के साथ संयुक्त रोड शो और रैली आयोजन करके।
- दूसरी ओर केजरीवाल की ''प्रो युवा'' व ''प्रो महिला'' छवि को धक्का लगा है, उनके निवास पर सुबह स्वाति मालीवाल के साथ उनके पी.ए. द्वारा मारपीट व थप्पड़ मारने की घटना से।
- नई दिल्ली सीट पर भाजपा की उम्मीदवार बांसुरी स्वराज ने कटाक्ष किया कि, केजरीवाल महिलाओं को क्या सुरक्षा प्रदान करने की बात कर रहे हैं, जबकि, उनकी पार्टी की महिला नेता ही सुरक्षित नहीं हैं, उनके ऑफिशियल निवास पर।
- केजरीवाल पर फरवरी 2018 में दिल्ली के मु.मंत्री के तत्कालीन मुख्य सचिव अंशु प्रकाश ने भी आरोप लगाया था कि, केजरीवाल व उनके समर्थकों ने उनसे धक्का-मुक्की की थी, मु.मंत्री निवास पर, देर रात तक चली ऑफिशियल बैठक के बाद। हालांकि, 2021 में दिल्ली के एक न्यायालय ने केजरीवाल, उप मु.मंत्री सिसोदिया आदि को इस आरोप से बरी कर दिया था।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। शराब घोटाले केस में अंतरिम जमानत मिलने पर, जेल से रिहाई होने की खुशी के माहौल के बीच, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर एक निंदात्मक आरोप लगाया गया है कि उन्होंने अपने निजी सहायक, बिभव कुमार को खुद के आधिकारिक निवास पर, सोमवार सुबह लगभग 9 बजे, ''आप'' की राज्यसभा सांसद और दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल पर प्रहार के लिए उकसाया था।

यह समाचार लिखे जाने तक, स्वाति मालीवाल ने कथित हमले की प्राथमिकी (एफ.आई.आर.) दर्ज नहीं करायी थी, लेकिन कथित अपराध के हालात, आरोपों के लिए पर्याप्त हैं। मुख्यमंत्री से नहीं मिल पाने के बाद, मालीवाल की कथित तौर पर बिभव कुमार से कहा-सुनी हो गयी। दिल्ली पुलिस को स्वाति की टेलीफोन द्वारा की गयी दो शिकायतों के अनुसार, बिभव कुमार ने उनसे दुर्व्यवहार किया और उन पर प्रहार किया। सुबह लगभग 9 बजकर 45 मिनट पर, मालीवाल, सिविल लाइंस पुलिस थाने तक गयी, लेकिन बिना औपचारिक शिकायत दर्ज कराए वापस चली गयीं। उसके बाद से उनसे सम्पर्क नहीं हो पा रहा है।

केजरीवाल को विपक्षी खेमे का प्रमुख नेता माना जा रहा है और उनसे ''इण्डिया ब्लॉक'' के प्रचार में जोश भरने की आशा की जा रही है। देश के विभिन्न स्थानों में जनसभाओं को संबोधित करने के अलावा, केजरीवाल की राहुल गांधी और अखिलेश यादव के साथ उत्तर प्रदेश में एक संयुक्त रैली को संबोधित करने की भी संभावना है। राजनीतिक रूप से उत्तर प्रदेश एक महत्वपूर्ण राज्य है, जहाँ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल की शादी?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। आगामी 19 जून को 54 साल के होने जा रहे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को रायबरेली में कहा कि उन्हें जल्दी ही शादी करनी पड़ेगी।

राहुल की एक सार्वजनिक रैली में किसी व्यक्ति ने उनसे उनकी शादी

- रायबरेली में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी की एक बात के जवाब में कहा कि, उन्हें जल्दी ही विवाह करना होगा।

को लेकर प्रश्न किया तब उनकी बहन प्रियंका गांधी ने राहुल से कहा कि राष्ट्रव्यापी चुनाव प्रचार के लिए अपनी बहन को धन्यवाद देने के बजाए वह स्वयं ही अपनी शादी के बारे में जवाब दें।

राहुल गांधी रायबरेली लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के बछरावां में एक विशाल को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रायबरेली के साथ अपने परिवार के सौ साल से ज्यादा रिश्ते की बात करते हुए कहा कि रायबरेली उनके परदादा जवाहर लाल नेहरू, उनकी दादी इंदिरा गांधी और माँ सोनिया गांधी की कर्म भूमि रही है।

आंध्र में भारी वोटिंग (68 प्रतिशत) को विपक्ष (भाजपा-तेलुगूदेशम व जन सेना) अपनी जीत का संकेत मान रहा है

पर, सही स्थिति तो यह है कि, तेलुगूदेशम या सत्ताधारी पार्टी जीते, पर भाजपा को कोई हानि नहीं होगी, क्योंकि दोनों पार्टियों ने संसद में भाजपा को समर्थन देने की घोषणा की है

- पर, एक शुबहा जरूर है कि, अगर त्रिशंकु लोकसभा का गठन हुआ तो, वाय.एस.आर. कांग्रेस अन्य विकल्प को समर्थन देने की बात भी सोच सकती है।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की 42 सीटों के लिए वोटिंग के साथ ही दक्षिण भारत की सभी 130 लोकसभा सीटों के लिए सोमवार को मतदान सम्पन्न हो गया।

यदि राष्ट्रीय परिदृश्य के हिसाब से देखा जाए तो तेलुगू भाषी दोनों राज्यों आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का महत्व बहुत बढ़ जाता है क्योंकि आंध्र की तेलुगूदेशम पार्टी या युवजन श्रमिक रायतु कांग्रेस पार्टी (वाय.एस.आर. सी.पी.) और तेलंगाना की भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) त्रिशंकु संसद के परिणामों की सूरत में अहम भूमिका अदा कर सकती है।

आंध्र प्रदेश में सायं 5 बजे तक 68 प्रतिशत की बम्पर वोटिंग हो चुकी थी और साथ ही मतदान करने वाले लोगों की भी कतार लम्बी थी। इस भारी मतदान प्रतिशत को लेकर विपक्षी एन.डी.ए. यानी कि तेलुगूदेशम, जनसेना और भाजपा विजयोत्सव मना रहे हैं, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक चेतावनी देते हैं कि मतदान प्रतिशत के विश्लेषण का यह एक सुस्त अंदाज हो सकता है क्योंकि मुख्यमंत्री एवं वाय.एस.आर.सी.पी. के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी पिछला चुनाव जीतने के बाद से ही आज के लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर प्रचार करते रहे हैं और समाज के हर वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा करते रहे हैं। वास्तव में स्वयं के लिए उन्होंने जो विशाल लाभार्थी कवच तैयार किया है, वो उनकी सुरक्षा कर रहा है, हालांकि थोड़ी बहुत सत्ता विरोधी लहर भी है, जो उनकी सरकार को परेशान कर रही है।

लेकिन जगन मोहन ने सत्ता विरोधी लहर से निबटने के लिए टिकटों का वितरण बड़ी चतुराई से किया। उन्होंने करीब 80 उम्मीदवारों के निर्वाचन क्षेत्र बदल दिए और खराब प्रदर्शन करने वाले 30 विधायकों के टिकट काट दिए। उनकी यह कार्रवाई कुशल और लक्षित, दोनों ही थी।

उन्होंने 175 निर्वाचन क्षेत्रों में, प्रत्येक के लिए भरोसेमंद चार लोगों की टीम पर विश्वास जताया। जगन का चुनाव प्रचार उक्त 175 सीटों पर ही केन्द्रित रहा।

प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए नियुक्त ये चार प्रमुख व्यक्ति सभी पहलुओं को लेकर चुनाव प्रचार के जिम्मेदार थे।

जगन मोहन रेड्डी अपने इस रिपोर्ट कार्ड के साथ जनता के पास गए और उनको दिखाया कि गत चुनावों में किए हुए वादों को उन्होंने पूरा किया है और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बंगाल में चुनाव के चौथे चरण में हिंसा और अराजकता में भी वृद्धि हुई

चौथे चरण की वोटिंग का ज्यादा हिस्सा साऊथ बंगाल में है, जो तृणमूल कांग्रेस का इलाका माना जाता है

- भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष दिलीप घोष जब उस क्षेत्र में प्रवेश करने लगे, जहां से भारी बूथ कैपचरिंग व फर्जी मतदान की शिकायत उन्हें मिली, तो उनके साथ धक्का-मुक्की व मारपीट हुई और उनकी कार को पत्थर मार कर नष्ट कर दिया गया।
- संदेशखाली में पुलिस व तृणमूल के दबंगों ने चुन-चुनकर उन महिलाओं को टारगैट किया, जिन्होंने पुलिस थानों में उनके साथ बलात्कार होने की शिकायत दर्ज करायी थी।
- एक महिला, गीता बेआर, जो प्रदर्शनकारी भी थी तथा जिसने शिकायतें दर्ज करायी थीं, उसे पुलिस रात को गिरफ्तार करके ले गयी।
- सैकड़ों महिलाएं गिरफ्तारी की खबर सुनकर इकट्ठी हो गयीं और मूक प्रदर्शन किया। परंतु भय व आक्रोश का वातावरण छाया हुआ है, संदेशखाली में।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। बंगाल में चुनाव लोकतंत्र का उत्सव नहीं हैं। यहां यह वास्तव में हिंसक जंग है, जिसमें खासतौर पर बीसियों युवक-युवतियों की जानें जाती हैं। वैसे, यहां अब तक एक जने की मौत हुई है और कई अन्य घायल हुए हैं। अशांति का एक बड़ा कारण तृणमूल समर्थकों का आपसी झगड़ा रहा। तृणमूल का गढ़ माने-जाने वाले दक्षिण बंगाल के क्षेत्रों में जैसे ही मतदान शुरु हुआ, वोटिंग ने हिंसक रूप धारण कर लिया और तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हमले शुरु कर दिए।

इसके अतिरिक्त, संदेशखाली एक बार फिर से जल रहा है। स्थानीय महिलाएं कुछ महिलाओं की गिरफ्तारी के विरोध में उग्र आंदोलन कर रही हैं। गिरफ्तार की गईं महिलाओं ने इस क्षेत्र के तृणमूल नेताओं के खिलाफ बयान दिए थे। संदेशखाली के बेरमासुर इलाके की महिलाएं गिरफ्तार की गईं स्थानीय महिलाओं को तुरन्त रिहा करने की मांग कर रही हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील मोदी का निधन

पटना/नई दिल्ली 13 मई (वार्ता)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी का सोमवार को नई दिल्ली में निधन हो गया। वह 72 वर्ष के थे।

मोदी गले में कैंसर की बीमारी से पीड़ित थे और उनका इलाज दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में चल रहा था, वहीं उन्होंने

- बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी 72 वर्ष के थे। वे गले में कैंसर की बीमारी से पीड़ित थे और दिल्ली एम्स में उनका इलाज चल रहा था।

अंतिम सांस ली। उनके परिवार में उनकी पत्नी के अलावा दो पुत्र हैं।

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर इसकी पुष्टि की। उन्होंने लिखा,''बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी अब हमारे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा की हैदराबाद से उम्मीदवार विवाद में फंसीं

उम्मीदवार माधवी लता ने पोलिंग स्टेशन पर जाकर मुस्लिम महिलाओं को बुर्का उठाकर मुंह दिखाने पर जोर दिया, उनके परिचय पत्र से पहचान मिलाने के लिये

- हैदराबाद के जिलाधीश व रिटर्निंग अफसर ने माधवी लता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है, क्योंकि उनके अनुसार किसी उम्मीदवार को अधिकार नहीं है कि, मुस्लिम महिला मतदाता का ''फेस मास्क'' उठा कर उसको चेहरा दिखाने को मजबूर करे।
- माधवी लता ने कहा कि, वे उम्मीदवार हैं और उन्हें अधिकार है मतदाता के कागज़ात चैक करने का, जिससे फर्जी मतदान न हो।
- माधवी लता ने यह भी दलील दी कि, उन्होंने बड़ी विनम्रता से आग्रह किया था कि, महिला मतदाता अपना चेहरा दिखायें, जिससे उनकी पहचान हो सके तथा वे स्वयं एक महिला हैं, अतः उनका कृत्य कोई अपराध नहीं है।
- जिलाधीश का कहना है, माधवी लता को शक था, फर्जी वोटिंग का संशय था तो वे पोलिंग बूथ इंचार्ज से शिकायत कर सकती थीं, मतदाता की ''आईडैंटिटी'' का सत्यापन करने के लिये।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। अतिआत्मविश्वास का अहंकार की सीमा तक प्रदर्शन, हैदराबाद सीट से भारतीय जनता पार्टी की लोकसभा प्रत्याशी कोम्पेला माधवी लता आज उस समय सीधे परेशानी में फंस गई जब उनका एक वीडियो सामने आया कि वे एक मतदान केन्द्रें पर बुर्का पहले हुए मुस्लिम महिलाओं से कह रही है कि वे बुर्का हटाकर अपना चेहरा दिखाएं ताकि वे उन महिलाओं के वोटर आई.डी. कार्डों पर लगी फोटो से उनके चेहरे का मिलान कर सकें। इस वीडियो के वायरल के बाद पुलिस ने इस मामले में उनके खिलाफ एक केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने यह केस भारतीय दंड संहिता से संबंधित धारा तथा जनप्रतिनिधि अधिनियम के तहत दर्ज किया है।

हैदराबाद के जिलाधीश कार्यालय ने इस मामले की पुष्टि एक्स पर डाली गई एक पोस्ट में की और बताया गया है कि भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ इस मामले में एक केस मलकपेट पुलिस थाना में दर्ज किया गया है।

लोकसभा के चौथे चरण के मतदान के दौरान जो आज चल रहा है इसमें माधवी लता उन बहुचर्चित उम्मीदवारों से एक है जो काफी सुर्खियों में रही है। वे एक ऐसे मजबूत अजेय उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं जो हैदराबाद से चार बार सांसद रहे हैं और वो हैं ए.आई.एम.आई.एम. के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी।

जिला निर्वाचन अधिकारी रोनाल्ड रोसनैस से इस बारे में मीडिया को स्पष्ट किया कि पुलिस भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ एक एफ.आई.आर. इसलिए दर्ज करने जा रही है क्योंकि किसी भी चुनाव लड़ने वाले किसी भी उम्मीदवार को यह अधिकार नहीं है कि वह किसी मतदाता की पहचान की जांच करने के लिए वह उसके चेहरे से बुर्का या घूंघट हटा हटाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी उम्मीदवार को कोई शक या सुबा है तो वह किसी मतदाता की पहचान व सत्यापन करने के लिए उस बूथ के चुनाव अधिकारी को कह सकते हैं।

हालांकि, माधवी लता ने मीडिया के लोगों से कहा कि एक प्रत्याशी को मतदाताओं की वोटर आई.डी. चेक करने का अधिकार है, उन्होंने यह भी कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

झालावाड़-बारां सीट से जीतेंगे तो दुष्यंत, पर जीत के अंतर में भारी कमी आएगी!

कांग्रेस अगर एकजुटता और गंभीरता से चुनाव लड़ती तो दुष्यंत की जीत का सिलसिला रोक सकती थी

- झालावाड़-बारां में भाजपा के कई बड़े नेता खुल कर वसुंधरा राजे और उनके पुत्र दुष्यंत की खिलाफत करते देखे गए, यही नहीं, राजपूत समाज भी भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ एकजुट दिखा।
- स्थिति यह रही कि, लगातार 5 बार चुनाव जीत चुके अपने पुत्र दुष्यंत की नैया इस चुनाव में पार लगाने के लिए खुद वसुंधरा ने झालावाड़ में डेरा डाल दिया।
- भाजपा के वे सभी नेता राजे के खिलाफ झालावाड़ में सक्रिय दिखे, जिन्हें वसुंधरा ने नुकसान पहुंचाया है।
- जहां तक कांग्रेस की बात है, तो अगर भीतरघात नहीं होती और कांग्रेस एकजुट होकर गंभीरता से चुनाव लड़ती तो बाजी पलट भी सकती थी। यहां से प्रमोद जैन भाया की पत्नी उर्मिला जैन भाया मैदान में हैं और भाया विरोधी गुट उनके खिलाफ सक्रिय था।

झालावाड़, 13 मई। झालावाड़ -बारां लोकसभा चुनाव के नतीजों में कोई चौंकाने वाली खबर मिलने की उम्मीद नहीं है। हालांकि लोकसभा चुनाव के दौरान यहीं लग रहा था, कि मतदाता अभी अपने पत्ते खोलने को तैयार नहीं है। पर अब मतदान हो चुका है और मतदाता अपनी राय बताने से झिझक नहीं रहा है। झालावाड़-बारां लोकसभा सीट पर 26 अप्रेल को मतदान हुआ है। भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंदरा राजे के पुत्र दुष्यंत सिंह को इस सीट पर पांचवीं बार उम्मीदवार बनाया है। जबकि कांग्रेस ने एक बार फिर बारां जिला प्रमुख व वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद जैन भाया की पत्नी उर्मिला जैन भाया पर दांव खेला है। वर्ष 2009 में भी उर्मिला जैन भाया ने इसी सीट से चुनाव लड़ा था और दुष्यंत से करीब पचास हजार मतों के अंतर से हार गई थी, लेकिन तब वे दुष्यंत से सबसे कम मतों से हारने वाली कांग्रेस प्रत्याशी थीं।

बारां क्षेत्र में उर्मिला जैन भाया और उनके प्रमोद जैन भाया उनकी खास पहचान है। उनके पति प्रमोद जैन भाया पिछली कांग्रेस सरकार में खान एवं गोपालन मंत्री रह चुके है। कांग्रेस के पास हमेशा की तरह परंपरागत अल्पसंख्यक और एस.सी.-एस.टी वोट बैंक का सहारा रहा है। जातिगत समीकरणों के लिहाज से भाजपा के पास सवर्ण वोट बैंक है। तीन माह पहले हुए विधानसभा चुनाव में झालावाड़-बारां संसदीय क्षेत्र की आठ विधानसभा सीटों में से सात सीटों पर जीत कर आई है, सिर्फ खानपुर में ही कांग्रेस ने जीत दर्ज की।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे वर्ष 1982 से 2003 तक यहां से सांसद रही हैं सीट पर उनका भारी प्रभाव है। इसके अलावा भाजपा राम मंदिर के भरोसे चुनावी नैया पार करने का दावा कर रही है। लेकिन इस बार राजपूत समाज की नाराजगी और राजपूत समाज के निर्दलीय प्रत्याशी का मैदान में होना और बड़े राजपूत नेताओं का समाज के लोगों से निर्दलीय राजपूत प्रत्याशी के समर्थन में अपील करना भाजपा के वोटों को कम करता दिखाई देता है।

अल्पसंख्यक समाज से वसुन्धरा राजे को अब तक मिलने वाला वोट भी इस बार भाजपा से दूरी बनाता नज़र आया। वसुंधरा राजे की लोक सभा स्पीकर ओम बिड़ला की राजनैतिक दुश्मनी का असर भी देखा गया। वसुंधरा गुट के लोग जिस तरह से कोटा में ओम बिड़ला के विरोध में नज़र आए उसी प्रकार बिड़ला गुट के लोग झालावाड़ में वसुंधरा राजे के विरोध में जोड़ तोड़ करते दिखे। सूत्रों की माने तो वसुंधरा राजे से नाराज़ भाजपा के कई बड़े नेता व मंत्री स्तर के लोग पहली बार खुलकर राजे के विरोध में काम करते दिखाई दिए। यही वजह थी कि राजे पूरे समय यहीं डटी रहीं और पूरा प्रबंध उन्होंने ही संभाला। इन सभी कारणों से दुष्यंत सिंह को नुकसान होता लग रहा है।

कांग्रेस की जहां तक बात है तो पार्टी विपक्ष से ज्यादा अपनी ही पार्टी के नेताओं से जूझती नजर आई। जिले के प्रभारी मंत्री रहे प्रमोद भाया से जिले के कांग्रेस नेताओं की नाराजगी और विधानसभा चुनाव में प्रमोद भाया द्वारा कई वरिष्ठ लोगों का टिकिट कटवाना उर्मिला जैन भाया पर भारी पड़ता नज़र आया। भाया विरोधी गुट ने पार्टी के विरोध में खुलकर काम किया। विधान सभा चुनाव के बाद कुछ नेताओं को तो पार्टी ने बाहर का रास्ता दिखा दिया था। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव, सदस्यों सहित ज्यादातर बड़े नेताओं ने झालावाड़ से दूरी बनाए रखी। कांग्रेस प्रत्याशी उर्मिला जैन भाया की बात करे तो चुनाव के दौरान उनमें निष्क्रियता ज्यादा नज़र आई। ऐसा लग रहा था जैसे कांग्रेस प्रत्याशी सिर्फ औपचारिकता के लिए चुनाव लड़ रही हैं। मतदान के दिन तो झालावाड़ में ना प्रमोद जैन भाया दिखे, ना ही उर्मिला जैन भाया। यहां कांग्रेस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सामान्य तौर पर किसी चुनाव में मतदान के बाद, कौन जीतेगा, कौन हारेगा का आकलन लगाना बंद हो जाता है, क्योंकि ऐसा मान लिया जाता है कि, उम्मीदवारों का भविष्य तो ई.वी.एम. मशीनों में बंद हो गया, किसी तरह की आकलनबाजी व्यर्थ है, तथा समय की बर्बादी ही है। पर, हमारे संवाददातों का कहना है कि, चुनाव को समझने का, हार-जीत की संभावनाओं, वोटिंग के ट्रैंड के बारे में चर्चा करने का यही समय है। क्योंकि, पार्टियों के कार्यकर्ता भी पोलिंग बूथ में अपनी ड्यूटी पूरी करके ''रिलैक्स्ड'' मूड में आ गये होते हैं, तथा अब कुछ गहरायी से, कुछ शांति से, उन्होंने पोलिंग स्टेशन पर जो देखा व महसूस किया, वो बताने को तैयार हैं। लगभग ऐसी ही स्थिति पार्टियों के नेता, उम्मीदवारों के समर्थकों की होती है। मतदान के पूर्व वह शुभ-शुभ के अलावा कुछ बोलना नहीं चाहते थे, क्योंकि उनके कुछ कहने से, उनके शब्दों व वाक्यों को तोड़-मोड़ कर पेश करके कुछ वोट काटे जा सकते थे। पर, जब मतदान ही हो गया तो वोट को हानि पहुंचाने की यह संभावना भी खत्म हो गयी है। अतः अब ये लोग भी अपना सही आकलन देने में नहीं हिचकिचाते।

अतः अब इन लोगों से बात करके हमारे संवाददाता सीट के बारे में अपना आकलन पुनः गहरायी से पेश करना चाह रहे हैं। उसी श्रृंखला में दूसरी कड़ी हम प्रस्तुत कर रहे हैं।